समेति समाचार पत्रिका

नवम्बर 2023

अबुबक्कर सिद्दीख पी0 (भा.प्र.से.)
सचिव,
कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड

संदेश

राज्य स्तरीय कृषि प्रबंधन, प्रसार–सह–प्रशिक्षण संस्थान (समेति), झारखण्ड के कार्य कलापों पर आधारित **"समेति समाचार पत्रिका"** के प्रकाशन पर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है।

समेति, झारखण्ड कृषकों के समस्त विकास हेतु कई प्रकार के कार्यक्रम चला रही है, जिसके तहत मुख्य रूप से किसानों का प्रशिक्षण, परिभ्रमण, प्रत्यक्षण, कृषक पाठशाला आदि का क्रियान्वयन किया जा रहा है। समेति, झारखण्ड द्वारा विगत कुछ महिनों में संचालित कार्यक्रमों की एक झलक इस समाचार पत्रिका के माध्यम से आप सबों के ज्ञान संवर्द्धण हेतु प्रकाशित की जा रही है।

आशा है कि इस पत्रिका के माध्यम से राज्य में कृषि प्रसार एवं कृषि अनुसंधान की गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा कृषि एवं संबंद्ध विभागों, कृषकों, स्वयंसेवी संगठनों तथा कृषि विज्ञान केन्द्रों के साथ नई कड़ी स्थापित होगी, जिसका लाभ प्रदेश के किसानों को मिलेगा।

शुभकामनाओं सहित।

(अबुबक्कर सिद्दीख पी0)

संजय सिन्हा (भा.प्र.से.)
कृषि निदेशक, झारखण्ड, राँची

संदेश

समेति झारखण्ड द्वारा राज्य के किसानों के बीच उन्नत एवं आधुनिक कृषि का प्रचार प्रसार किया जा रहा हैं। समेति समाचार पत्रिका का प्रकाशन किसानों के बीच पहुचने का सुलभ तरीका हैं, जो अपने विभागीय गतिविधियों को दर्शाने के लिए एक सराहनीय कदम हैं।

पत्रिका द्वारा सभी किसान उपयोगी गतिविधियों को एक धागा में पिरोने का प्रयास है। आशा है कि इस पत्रिका के माध्यम से राज्य में अनुसंधान की गतिविधियो को बढ़ावा मिलेगा तथा कृषि एवं संबद्ध विभागों, कृषकों, स्वयंसेवी संगठनों तथा कृषि विज्ञान केन्द्रों के साथ नई कड़ी स्थापित होगी, जिसका लाभ प्रदेश के किसानों को मिलेगा।

शुभकामनाओं सहित।

(संजय सिन्हा)

विकास कुमार
निदेशक समेति, झारखण्ड, राँची।

संदेश

प्राकृतिक एवं खनिज संपदाओं से परिपूर्ण झारखण्ड प्रदेश कृषि के क्षेत्र में भी अपना एक महत्वपूर्ण स्थान स्थापित कर रहा है।

राज्य के कृषि विकास में आत्मा की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण है। समेति झारखण्ड के मार्गदर्शन में आत्मा के द्वारा केन्द्रीय एवं राज्य योजनाओं का क्रियान्वयन राज्य के सुदूरवर्ती गाँव में BTM/ATM/कृषक मित्र के माध्यम से किया जा रहा हैं, जिससे हमारे कृषक लाभान्वित हो रहे हैं।

समेति झारखण्ड का यह प्रयास होगा कि विभागीय निर्देश/ मार्गदर्शन में राज्य के प्रत्येक वर्ग के किसानों को विभागीय योजनाओं का समुचित लाभ प्राप्त हो सके और राज्य के किसान समृद्ध एवं खुशहाल हो सके।

शुभकामनाओं सहित।

(विकास कुमार)

Digitalization of Agricultural Extension System (DAES)

समेति, झारखण्ड द्वारा संचालित (Digitalization of Agricultural Extension System DAES) के तहत दिनांक 18-08-2023 को राज्यस्तरीय बैठक का आयोजन ''समेति भवन'' में किया गया। कार्यक्रम का उदधाटन निदेशक समेति झारखण्ड द्वारा किया गया जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. जे.पी.यादव, संयुक्त निदेशक, प्रसार प्रभाग, भारत सरकार शामिल हुए। राज्यस्तरीय कार्यक्रम में कृषि उध्यान, पशुपालन एंव मत्स्य के नोडल पदाधिकारी ने भाग लिया, कार्यक्रम के दूसरे दिन भारत सरकार एंव Digital Green के प्रतिनिधियों द्वारा काकें प्रखण्ड के रेण्डो गॉव का भ्रमण किया गया एंव किसानों को DAES के गतिविधियों की जानकारी दी गई।

DAES योजना को 10 राज्यों में संचालित किया जाना है जिसमें झारखण्ड राज्य का भी चयन Pilot Project के तहत किया गया है। इस बैठक में झारखण्ड राज्य के 11 जिलों चतरा, दुमका, गिरिडीह, गुमला, हजारीबाग, लातेहार, रामगढ़, राँची, साहेबगंज, पश्चिमी सिहभुम और देवधर का चयन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्वेश्य VIDEO, AUDIO, Application इत्यादि के माध्यम से किसानों तक सभी तकनीकी जानकारी डिजीटल उपकरणों के माध्यम से उपलब्ध करना है। समेति से उप–निदेशक कृषि प्रसार द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया।

ICTs पर प्रशिक्षण

मैनेज, हैदराबाद और समेति, झारखण्ड के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 12.06.2023 से 14.06.2023 तक "ICTs in Agricultural Marketing-Block Chain Technologies पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में आत्मा जिले से कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों से संबंधित 72 प्रसार पदाधिकारियों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण में राष्ट्रीय कृषि बाजार (eNAM) जो कृषि वस्तुओं के लिए एकीकृत राष्ट्रीय बाजार बनाने के लिए मौजूदा APMC मंडियों का नेटवर्क की जानकारी दी गई। ई–कॉमर्स का मुख्य लाभ यह है कि यह ग्राहकों के लिए अधिक सुविधाजनक खरीददारी अनुभव प्रदान करती है। यह व्यवसायों को भौतिक खुदरा स्थानों से जुडी लागत बचाने और व्यापक ग्राहकों तक पहुँचाने में मदद करती है। प्रशिक्षण में विशेषज्ञ के रूप में जफर अली (पी.एम.यू. रांची), डॉ. अमितावा अकुली (संयुक्त निदेशक, सी–डैक, कोलकता), नीरज शुक्ला (ए.वी.पी., एन.सी.डी.ई.एक्स. मुंबई), रितेश मुखर्जी (एसोसिएट निदेशक, सी–डैक, कोलकाता), देबदुलाल बसाक (संयुक्त निदेशक, सी–डैक, कोलकाता), पंकज कुमार (स्टेल मिंट इंडिया सर्विस प्राइवेट लिमिटेड रांची), डॉ. बी. के. झा (सहायक प्रोफेसर, बी.ए.यू., रांची), श्री. अभिषेक तिर्की (उप निदेशक ए.ई.एम. समेति, झारखंड) सम्मिलित हुए।

Skill Training For Rural Youth (STRY) कार्यक्रम

Skill Training For Rural Youth (STRY) कार्यक्रम अतंर्गत वित्तिय वर्ष 2023–24 प्रथम चरण में 8 जिलों देवघर, दुमका, गढवा, गिरिडीह, खूँटी, कोडरमा, रॉची, एवं साहेबगंज में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण में वैसे कृषक शामिल किया गया है जिनकी न्यूनतम उम्र 18 वर्ष या अधिकतम 35 वर्ष है। यह प्रशिक्षण मुख्यतः ग्रामीणों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य कौशल आधारित प्रशिक्षण प्रदान करना है। कौशल पर राष्ट्रीय नीति के अनुपालन में कृषि आधारित व्यवसायिक क्षेत्रों पर ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षित करना कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में विकास एवं उद्यमिता को बढावा देना ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार देना है। यह कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि एवं अनुशंगी पेशों की दक्षता विकास में एक अहम भूमिका निभाएगी।

Training Programme on

"Mass Media Skill to Agriculture Extension"

Date : 25-27 July, 2023

ORGANIZED BY :
SAMETI, JHARKHAND

VENUE :
SAMETI CONFERENCE HALL
4TH FLOOR, KRISHI BHAWAN, KANKE ROAD, RANCHI

Mass Media Skill to Agriculture Extension पर प्रशिक्षण

समेति, झारखण्ड द्वारा दिनांक 25.07.2023 से 27.07.2023 तक ''Mass Media Skill to Agriculture Extension विषय पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में आत्मा जिले से कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र से संबंधित प्रसार पदाधिकारीयों ने भाग लिया। जिसमें विशेषज्ञ के रूप में ब्रजेश कुमार (दूरदर्शन निर्माता), डॉ. बसंत कुमार झा (सहायक प्रोफेसर, बी.ए.यू., रांची), जफर अली (पी.एम.यू. रांची), चंद्रकांत मणि (लॉग चेन), डॉ. आर. पी. सिंह रतन (सेवानिवृत्त प्रोफेसर, बी.ए.यू., रांची), पंकज सेठ (वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख केवीके, गिरिडीह) डॉ. बी.के. झा (सहायक प्रोफेसर, बी.ए.यू., रांची), श्री. अभिषेक तिर्की (उप निदेशक ए.ई.एम. समेति, झारखंड) सम्मिलित हुऐ।

Success Stories and News Letter पर प्रशिक्षण

मैनेज, हैदराबाद एवं समेति, झारखण्ड. के संयुक्त तत्वावधान में एक 5 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक 11.09.2023 से 15.09.2023 तक "Write Shop for Success Stories and News Letters विषय पर आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में आत्मा जिले से कृषि एवं से संबंधित प्रसार पदाधिकारीयों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 72 आत्मा कर्मियों ने भाग लिया। जिसमें विशेषज्ञ के रूप में डॉ. आर. पी. सिंह रतन (सेवानिवृत्त प्रोफेसर, बी.ए.यू., रांची), डॉ. किरण सिंह (एस.एम.एस., के.वी.के, सरायकेला), सतीश पटनायक (इंटीग्रेटर प्रदान, ओडिशा), सुदर्शन ठाकुर, (टीम समन्वयक, प्रदान, मध्य प्रदेश), डॉ. बी.के. झा (सहायक प्रोफेसर, बी.ए.यू., रांची), श्री. अभिषेक तिर्की (उप निदेशक (ए.ई.एम.) समेति, झारखंड), श्रीमती कुमुद कुमारी (उप निदेशक (कृषि एवं संबद्ध समेति, झारखंड) ने व्याख्यान दिया कार्यक्रम का संचालन उप–निदेशक कृषि एंव संबद्ध, समेति झारखण्ड द्वारा किया गया।

Post Graduate Diploma in Agricultural Extension Management (PGDAEM) परीक्षा संपन्न

मैनेज, हैदराबाद द्वारा दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम Post Graduate Diploma in Agricultural Extension Management (PGDAEM) अंतर्गत समेति द्वारा दिनांक 11.09.2023 से 15.09.2023 तक BAU, Kanke Ranchi Examination सभागार में परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा में सत्र 2022–2023 के कुल 51 अभ्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र में कार्यरत प्रसार कर्मीयों का क्षमता विकास एवं कृषि प्रसार के क्षेत्र में ज्ञानवर्धन करना है।

नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम

आत्मा द्वारा संचालित झारखण्ड राज्य के सभी जिलों में 472 नुक्कड नाटक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें राज्य के करीब 43754 कृषकों की भागीदारी रही, जिसके अंर्तगत केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना जैसे– बीज विनिमय एवं वितरण योजना, बीज उपचार, मिलेट मिशन, प्राकृतिक खेती, JKRMY, PM-KISAN, KCC, PMKSY एग्रीकल्चर एक्सटेंशन, खाद एवं पोशन सुरक्षा, समेकित बिरसा ग्राम विकास योजना इत्यादि की पूर्ण जानकारी किसानों के बीच में नुक्कड नाटक के माध्यम से दिखाया गया।

महिला किसान दिवस 15 अक्टूबर 2023 कार्यक्रम

आत्मा द्वारा सभी जिलों में 15 अक्टूबर 2023 को महिला कृषक दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें राज्य के करीब 40890 महिला कृषकों की भागीदारी रही। उनमें से 561 महिला किसानों को सम्मानित भी किया गया। 15 अक्टूबर को महिला कृषक दिवस के रुप में मनाया जाता है। पूरे राज्य के प्रत्येक जिलों में महिला कृषक दिवस के दिन सरकार द्वारा संचालित योजनाऐं जैसे– बीज विनिमय एवं वितरण योजना, बीज उपचार, मिलेट मिशन, प्राकृतिक खेती, JKRMY, PM-KISAN, KCC, PMKSY एग्रीकल्चर एक्सटेंशन, खाद एवं पोशन सुरक्षा, खेल–कूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम, वृक्षारोपण, महिला कृषकों को पुरस्कृत, समेकित बिरसा ग्राम विकास योजना इत्यादि की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक, पशुपालन, गव्य, उद्यान, मत्सय आदि विभाग के पदाधिकारियों ने महिला किसान दिवस के अवसर पर अपने विचार रखे। सभी कार्यक्रम का आयोजन आत्मा द्वारा किया गया।

AIR, Doordarsan, Print Media and web portal पर प्रशिक्षण

मैनेज, हैदराबाद एवं समेति, झारखण्ड. के संयुक्त तत्वधान में एक 3 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक 16.10.2023 से 18.10.2023 तक "AIR, Doordarsan, Print Media and web portal विषय पर दिया गया। प्रशिक्षण में कुल 91 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण लिया। कार्यक्रम में आत्मा जिले से कृषि एवं कृषि से संम्बद्ध क्षेत्रों के 72 प्रसार पदाधिकारीयों ने भाग लिया। साथ ही अंतर्राज्य से कृषि अधिकारी, वरिष्ट तकनीकी अधिकारी, कृषि संकाय छात्र एवं उद्यमी के 19 प्रतिभागी सम्मिलित हुए। जिसमें विशेषज्ञ के रूप में डॉ बी. श्री. विजय भारथ (एम.डी, एम.ए.एस.ए.स), श्रीमती। अनिता तिर्की (रांची, आकाशवाणी), श्री. मनोज सिंह (पत्रकार प्रभात खबर समाचार पत्र), श्री. मनोज तिवारी (पत्रकार आजकल हिंदी दैनिक, न्यूज पेपर रिसोर्स पर्सन), श्री. गुरु स्वरूप मिश्र (पत्रकार प्रभात खबर.कॉम, रांची), श्री. जफर अली (पी.एम.यू, रांची), डॉ. वीरेंद्र क्र. यादव (प्रधान वैज्ञानिक कृषि विस्तार आई.सी.ए.आर. अनुसंधान परिसर पूर्वी क्षेत्र प्लांडू, रांची), श्री. अभिषेक तिर्की (उप निदेशक (ए.ई.एम.), समेति, झारखंड) सम्मिलित हुए।

अंतराष्ट्रीय मिल्लेट्स वर्ष , 2023

झारखण्ड राज्य का कुल भुगोलिक क्षेत्र 79.72 लाख हेक्टेयर है, जिसका 48 प्रतिशत यादि 38 लाख हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि है।

अतः झारखण्ड के विकास के लिए कृषि का विकास करने की आवश्यकता है। दिनों–दिन कृषि भूमि घटती जा रही है और जन संख्या में वृद्धि हो रही है, इस बढ़ती हुई जन संख्या को अनाज उपलब्ध कराना जरूरी है। इसी लिए कुछ ऐसे उपाय करने होंगे, जिससे कम भूमि में ज्यादा पैदावार हो सके।

झारखण्ड प्रदेश में धान के बाद मिलेट्स फसलों की खेती पुराने समय से बड़े पैमाने पर की जाती हैं। मडुआ, कोदो, सांवा, ज्वार, बाजारा के साथ–साथ कंकनी, कुटकी, चेना आदि के पारम्परिक महत्व के साथ–साथ इनके पोषक एवं आर्थिक महत्व भी है। यद्यपि झारखण्ड में वृहद पैमाने पर विभिन्न प्रकार के खाद्य अनाज की खेती की जाती है। लेकिन कृषि उत्पादन से संबंधित आंकड़ों से यह स्पष्ट है कि हम मुख्य रूप से दो फसल, विशेष करगे हूँ एवं चावल पर निर्भर है, जबकि दूसरी फसल मोटे अनाज भी राज्य के खाद्य एवं पोषण सुरक्षा हेतु समान्य रूप से जलवायु परिवर्तन के दृष्टि कोण से बेहतर हो सकते हैं।

जलवायु परिवर्तन के दृष्टि कोण से भी यह आवश्यक हो गया है कि मोटे अनाज की खेती को प्रोत्साहित किया जाय, जिससे कि ग्रामीण क्षेत्र मे रहने वाले विशेष कर छोटे एवं सीमान्त किसानों की खाद्य एवं पोषक सुरक्षा को उनके सीमीत संशाधन में ही सुनिश्चित किया जा सके।

मिलेट्स फसलों में प्राकृतिक रूप में विशेष परिस्थितियों से लड़ने की क्षमता होती है, मिलेट्स फसलें कठोर एवं रूखे परिस्थितियों में भी संभव है। जहाँ दूसरी फसलें संभवतः नहीं उग पायेंगी। अतः वर्षा आधारित क्षेत्रों में दूसरी फसलों की तुलना में मोटे अनाजों का उत्पादन आश्वासित होता है और वहाँ के संशाधनहीन छोटे एवं सीमान्त किसानों को खाद्य, पोषण एवं आजीविका सुरक्षा प्रदान करता है, लेकिन दूसरे मुख्य अनाजों एवं औद्योगिकी फसलों की तुलना में कम आर्थिक प्रतिस्पर्धा के कारण पिछले कुछ दसकों में इन अनाजों की खेती में तेजी से कमी हुई है। उन्नत प्रभेद, अच्छी गुणवत्ता वाली बीज की अनुपलब्धता एवं बेहतर कृषि प्रणाली, घरेलु एवं सामुदायिक अनुकूलता, उपयुक्त खाद्य मूल्य श्रृंखला के कारण मोटे अनाजों की खेती से किसानों को

उपयुक्त आर्थिक लाभ नहीं मिल पा रहा है, इन समस्याओं को कुशलता पूर्वक निराकरण करने की जरूरत है, जिससे कि उन जगहों में जहां जलवायु परिवर्तन के कारण गेहूँ और चावल की खेती प्रभावित हो रही है, वहाँ मोटे अनाजों की खेती के द्वारा किसानों को बेहतर विकल्प दिया जा सके।

इसी उद्देश्यों की सम्प्राप्ति हेतु अन्तर्रा ट्रीय मिलेट्स वर्ष 2023 में झारखण्ड मिलेट्स मिशन की परिकल्पना की गई है। इस मिशन के माध्यम से स्थानीय कृषकों एवं कृषक अभिरूचि समूह को पूर्ण रूप से जगरूक करने एवं जिम्मेवार बनाने का प्रयास किया जायेगा। हमारे राज्य के किसानों तक अच्छी एवं गुणवत्ता युक्त तकनीकी पहुंचाने तथा योजनाओं की जानकारी सुनिश्चित करने में झारखण्ड मिलेट्स का अहम योगदान होगा, ताकि किसानों के बीच ज्यादा से ज्यादा मिलेट्स में जगरूकता लाते हुए पैदावार एवं पोषण को बढ़ावा दिया जा सके।

योजना के मुख्य उद्देश्य -

1. मिलेट्स फसलों के क्षेत्र के साथ उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि।
2. स्थानीय स्तर पर सालो भर उच्चपोषण युक्त खाद्य पदार्थों की उपलब्धता को बढ़ाना।
3. प्राथमिक प्रसंस्करण और मूल्य वर्धित उद्यमों को बढ़ावा देना।
4. मिलेट्स फसलों के पैदावार एवं पोषण महत्व का प्रचार–प्रसार।

अपेक्षित परिणामः

इस मिशन के अन्तर्गत मिलेट्स को वर्षा धारित खेती प्रणाली में 25 प्रतिशत क्षेत्र आच्छादन करते हुए 05 (पाँच) किलो ग्राम मिलेट्स का Consumption प्रति माह सभी House Hold में करने का लक्ष्य है।

आच्छादन पूर्ण कर लेने की स्थिति में आवश्यकता आधारित मांग में वृद्धि होगी।

अखबार की नजर से

कृषि तकनीक में बदलाव की जानकारी दी गयी

कृषि मेला का आयोजन करते बीडीओ.

मझिआंव

□ आकांक्षी प्रखंड मझिआंव में कृषि मेला का आयोजन

नीति आयोग द्वारा गढ़वा जिले के मझिआंव प्रखंड को आकांक्षी प्रखंड के रूप में चयनित किया गया है. केंद्र सरकार के निर्देशानुसार सभी आकांक्षी प्रखंडों में तीन अक्तूबर से नौ अक्तूबर 2023 तक हसंकल्प सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है. इस कड़ी में शुक्रवार को करमडीह पंचायत सचिवालय में कृषि मेला का आयोजन किया गया. जिला कृषि पदाधिकारी शिव प्रसाद एवं बीडीओ नितेश भास्कर द्वारा कृषि मेला की शुरुआत की गयी. इस अवसर पर पदाधिकारियों द्वारा उपस्थित किसानों को कृषि के क्षेत्र में विकास के लिये सरकार के द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए कृषि के तकनीक में बदलाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी. कृषि मेला में पदाधिकारी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मिल्लेट वर्ष 2023 की चर्चा की गयी और बताया गया कि किस तरह से कम वर्षा पात वाले प्रदेशों में उपजाये जानेवाले मोटे अनाज जैसे मडुवा, कोदो, कुटकी, रागी, ज्वार बाजरा के उत्पादन को बढ़ावा दिया जा सकता है. साथ ही ड्रीप एरीगेशन (बूंद बूंद सिंचाई) तकनीक के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी. इससे किसान कम पानी का उपयोग करके अपनी फसल को उगा सकते हैं. कृषि मेला में गोबर धन योजना के बारे में जानकारी देते हुए कहा गया कि किसान जैविक एवं ठोस अपशिष्ट से बायोगैस, उपजाऊ खाद एवं सीएनजी उत्पादन कर सकते हैं. इसके साथ कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के द्वारा संचालित विभिन्न योजना के बारे में विस्तार से बताया गया. भी जानकारी दी गयी कि झारखंड फसल राहत योजना का फॉर्म पंजीकरण कराने का अंतिम तिथि अक्तूबर निर्धारित किया है.इसलिये जो किसान अभी फसल राहत योजना में पंजीकरण करा पाये हैं, वे यथाशीघ्र पंजीकरण करा लें. इस मौके पर कृषि मेला प्रखंड के बीटीएम आकाश कुमार दयानंद पांडे,जनसेवक श्रीकांत उपाध्याय, मुखिया प्रतिनिधि इंतखाब खान,रोजगार सेवक सुधीर पांडेय आदि उपस्थित थे.

कृषि योजनाओं का लाभ लें किसान : कृषि पदाधिकारी

...यास प्रतिशत अनुदान पर कृषि ...करण, किसान गोष्ठी, मुख्यमंत्री ...शुधन योजना की जानकारी दी ...योजनाओं को लेकर किसानों ...आवेदन संग्रह किये गये. प्रखंड ...पदाधिकारी सुधीर महतो, बी... अजित भुइयां, पशुपालन पदाधि... ...समेत कई पंचा...

मरकच्चोः आकांक्षी प्रखंड के किसानों के साथ संकल्प शपथ सप्ताह कार्यक्रम आयोजित

उत्कल मेल संवाददाता

मरकच्चो : आकांक्षी प्रखंड मरकच्चो के अंतर्गत पंचायत नावाडीह 1 के पंचायत सचिवालय में शुक्रवार को पंचायत के किसानों के साथ संकल्प शपथ सप्ताह कार्यक्रम मुखिया वैजन्ती देवी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। किसानों को कृषि से संबंधित सरकार से सहयोग संबंधित जैसे केसीसी एवं प्रधानमंत्री सम्मान निधि योजना को प्राप्त करने के लिए, के वाई... रसायनों के बुरा प्रभाव के बारे में, स्वच्छता के बारे में, स्वास्थ्य के बारे में विस्तार से चर्चा किया गया। इस मौके पर किसानों को स्थानीय मुखिया एवं किसान मित्र कालेश्वर यादव, रोजगार सेवक लखपति दास के द्वारा किसानों के बीच लेमनग्रास, और ड्रैगन फ्रूट का पौधा वितरण किया गया। इस मौके पर उमेश प्रसाद कुशवाहा, विजय राणा, हरिहर साहू, मुकेश वर्मा, शैलेंद्र साव, सचिन वर्मा, विजय राणा, राजकुमार यादव अजय साव, विजय साव, मेघलाल वर्मा, अनुपम हलधर, कृपा साव, सुनील वर्मा, अजय साव समेत

एनएफएसएम योजना अंतर्गत सरसों मिनी किट बीज वितरण किया गया

आकांक्षी प्रखंड लिट्टीपाड़ा में कृषि कर्मशाला सह प्रदर्शनी का आयोजन

झारखण्ड की हकीकत
प्रशांत मंडल

अरविन्द कुमार एवं लिट्टीपाड़ा के मुखिया शिव टुडु द्वारा संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया।

लिट्टीपाड़ा(पाकुड़) नीति आयोग के आकांक्षी प्रखंड अंतर्गत लिट्टीपाड़ा प्रखंड के सभी ग्राम पंचायत भवन सहित ग्राम पंचायत, लिट्टीपाड़ा में सबकी आकांक्षाएं सबका विकास के तहत शुक्रवार को कृषि कर्मशाला -सह- प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन जिला कृषि ... आत्मा पाकुड़ एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से अपने अपने संबोधन के माध्यम से कृषि से संबंधित तकनीकी जानकारी, गौबर्धन योजना, जैविक खेती, कृषि बाजार सहित सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारियां किसानों को दी गई। वहीं इस आयोजित प्रदर्शनी में प्रवाह संस्था (एनजीओ)की ओर से मिट्टी रहित सब्जी का पौधा का कृषि प्रदर्शनी लगाया गया। साथ ही स्थानीय किसानों द्वारा उत्पादित फल,फसल एवं सब्जियों का उत्पाद सहित ... कीटनाशी दवा,जैविक खाद एवं मोटे अनाज से बनाए गए पूरी, चपाती, ठेकुआ,लिट्टी, हलुआ आदि पकवान का भी प्रदर्शन किया गया। इस दौरान 26 किसानों के बीच सरसों के बीज का भी वितरण किया गया।इस आयोजित कर्मशाला सह प्रदर्शनी में प्रखंड कृषि पदाधिकारी, के.सी.दास, कृषि तकनीकी प्रबंधक रामेश्वर मुर्मु, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मानिक दास, प्रवाह संस्था के सदस्य नीतू सिंह, पंकज सिंह, निरंजन सिंह सहित सैकड़ों किसान ...

कृषि कर्मशाला सह प्रदर्शनी मेला का हुआ आयोजन

लिट्टीपाड़ा/संवाददाता।

नीति आयोग के आकांक्षी प्रखंड अंतर्गत सबकी आकांक्षाएं, सबका विकास के तहत संकल्प सप्ताह के चौथे दिन शुक्रवार को कृषि कर्मशाला सह प्रदर्शनी मेला का आयोजन लिट्टीपाड़ा पंचायत भवन में किया गया। जिसका उद्घाटन बीडीओ अरुण कुमार सिंह, बीडीओ संजय कुमार, आत्मा के परियोजना उपनिदेशक अरविन्द कुमार, मुखिया शिव टुडु ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कर्मशाला में उपस्थित किसानों को बीडीओ ने कृषि से संबंधित तकनीकी जानकारी, गोवर्धन योजना, कृषि बाजार सहित सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारियां किसानों को दी गई। गोवर्धन योजना, जैविक खेती, कृषि बाजार सहित सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारियां किसानों को दिये। वहीं आयोजित प्रदर्शनी में किसानों द्वारा उत्पादित फल, फसल एवं सब्जियों का उत्पाद प्रदर्श सहित कीटनाशी दवा, जैविक खाद एवं मोटे अनाज से बनाये गये पूड़ी, चपाती, ठेकुआ, लिट्टी, हलुआ आदि पकवान का भी प्रदर्शन किया गया। साथ ही 26 किसानों के बीच सरसों बीज का वितरण किया गया। आयोजित कर्मशाला सह प्रदर्शनी मेला में प्रखंड कृषि पदाधिकारी, केसी दास, कृषि तकनीकी प्रबंधक रामेश्वर मुर्मू, मुखिया शिव टुडु सहित अन्य उपस्थित थे।

26 किसानों के बीच सरसों बीज का वितरण

हिन्दुस्तान — अपना मेदिनी

महिला किसानों को दी गई नई कृषि तकनीक और योजनाओं की जानकारी

पलामू की तीन महिला किसानों को उत्कृष्ट कार्य के लिए मिला सम्मान

दैनिक भास्कर — जामताड़ा पुलआउट 07-10-2023

किसानों को बताया धान की खेती करने का तरीका

ऑर्गेनिक उपचार के बारे में चर्चा

दैनिक भास्कर — कोडरमा 16-10-2023

महिलाएं कृषि क्षेत्र में कर रही है बेहतर काम

महिला किसान दिवस पर कृषि गोष्ठी आयोजित

संकल्प...

कपाटी में आयोजित कृषि महोत्सव में शामिल अधिकारी तथा किसान.

केंद्र सरकार के नीति आयोग द्वारा आकांक्षी प्रखंड के रूप में चयनित रामगढ़ प्रखंड के सभी पंचायतों में संकल्प सप्ताह के तहत कृषि महोत्सव का आयोजन किया गया. इसके तहत कांजो, धोबा, लतबेरवा, भालसुमर, धोबा, बैडिया, सिलदा, पहाड़पुर आदि पंचायतों में आयोजित कृषि महोत्सव में किसानों के कल्याण तथा कृषि के विकास के लिए कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी विभागीय अधिकारियों द्वारा दी गयी. इस क्रम में अधिकारियों ने क्रेडिट कार्ड योजना, जैविक खेती ... अवधेश कुमार सहित जिले के अन्य ... रणधीर कुमार सिंह ने कहा कि महिला किसानों ...

प्रभात खबर

बंदरचौकवा में किसान गोष्ठी का आयोजन

मरकच्चो. झारखंड सरकार द्वारा संकल्प सप्ताह जागरूकता कार्यक्रम के तहत आकांक्षी प्रखंड के ... बंदरचौकवा में किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन जिला कृषि पदाधिकारी ... एवं मुखिया शोभा देवी ने संयुक्त रूप से किया.

कोर्ट नोटिस

कोर्ट नोटिस

Sat, 07 October 2023

कृषि तकनीक में बदलाव की जानकारी दी गयी

कृषि मेला का आयोजन करते बीडीओ.

मझिआंव

□ आकांक्षी प्रखंड मझिआंव में कृषि मेला का आयोजन

आत्मा के द्वारा महिला किसान दिवस आयोजित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

पाकुड़। रविवार को आत्मा पाकुड़ के द्वारा संयुक्त कृषि भवन पाकुड़ के आत्मा सभागार में महिला किसान दिवस आयोजित किया गया जिसका उद्घाटन जिला परिषद सदस्य पिंकी मंडल एवं जिला मत्स्य पदाधिकारी रचना निक्षल के द्वारा दीप प्रज्वलित कर इस कार्यक्रम की शुरुआत की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला किसानों ने भाग लिया। इस अवसर पर आत्मा के उप परियोजना निदेशक अरविंद कुमार राव के द्वारा बताया गया कि बुआई से लेकर रोपाई तक और फसल देखभाल से लेकर कटाई तक महिलाएं काफी आगे हैं। हालांकि आम धारणा उन्हें एक सहयोगी की ही देती है। कई क्षेत्रों में महिलाओं का योगदान पुरुषों से आगे है। इनकी अहमियत की पहचान देने के लिए हमारे देश में इसे राष्ट्रीय महिला किसान दिवस के रूप में मनाया जाता है। सरकार ने किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य रखा है इस लक्ष्य की प्राप्ति में महिलाओं का योगदान काफी है। महिला किसानों के नाम खेती योग्य भूमि बहुत कम है जिसके कारण वे वंचित रह जाती हैं। जबकि महिला किसान बहुत सारी लाभ से वंचित रह जाती हैं। जबकि कृषि में महिलाओं का बहुत बड़ा भूमिका है। तकनीकी सहायक राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन चितरंजन कुमार सिन्हा के द्वारा किसानों को सरसों की खेती एवं रबी फसल की तकनीकी खेती के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। बीटीएम मोहम्मद शमीम अंसारी के द्वारा महिला किसानों को सब्जी का आगात खेती का महत्व एवं खेती करने की तकनीक के बारे में बताया गया। जिला मत्स्य पदाधिकारी रचना निक्षल के द्वारा महिला किसानों को सम्मानित भी किया गया। मंच का संचालन खालिदा खातून सहायक तकनीकी प्रबंधक के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में मो० जुनैद, नीलम कुमारी श्रीवास्तव, रामेश्वर मुर्मू, लोरेंस मालतो, शांतनु शील, सहायक तकनीकी प्रबंधक एवं बड़ी संख्या में महिला किसान समेत अन्य उपस्थित थे।

विभिन्न गतिविधियों की एक झलक

संपादक मण्डल

संरक्षक	अबुबक्कर सिद्दीख पी0 (भा.प्र.से.) सचिव, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड।
उप संरक्षक	श्री संजय सिन्हा, भा.प्र.से., कृषि निदेशक, झारखण्ड।
मुख्य संपादक एवं प्रकाशक	श्री विकास कुमार, निदेशक समेति, झारखण्ड।
लेखा एवं सह संपादक	श्री अभिषेक तिर्की, उप निदेशक, कृषि प्रसार प्रबंधन, समेति झारखण्ड।
सहयोग एवं संकलन	श्रीमती कुमुद कुमारी, उप निदेशक कृषि एवं संबद्ध समेति, झारखण्ड।
	श्री संधीर खलखो, बी.टी.एम. पू. सिंहभूम, प्रतिनियुक्त समेति झारखण्ड।
	श्री हर्ष राज मिश्रा, बी.टी.एम. गढ़वा, प्रतिनियुक्त समेति झारखण्ड।
	श्री राकेश कुमार, ए.टी.एम. सरायकेला, प्रतिनियुक्त समेति झारखण्ड।
	श्री अंकित कुमार पाण्डे, ए.टी.एम. पलामू, प्रतिनियुक्त समेति झारखण्ड।
	श्री नजीरूल अंसारी, ए.टी.एम. गुमला, प्रतिनियुक्त समेति झारखण्ड।
	श्री विजय अलोकित रूण्डा, ए.टी.एम. लोहरदगा, प्रतिनियुक्त समेति झारखण्ड।
टंकण एवं साज–सज्जा	श्री परशु राम, कम्पयुटर ऑपरेटर, समेति झारखण्ड।
	श्री सुजित कुमार सिंह, लेखापाल–सह–लिपिक समेति, झारखण्ड।

राज्यस्तरीय कृषि प्रबंधन, प्रसार-सह-प्रशिक्षण संस्थान (समेति), झारखण्ड

समेति भवन, कृषि भवन परिसर, द्वितीय तल, काँके रोड, राँची, झारखण्ड-834008 के द्वारा प्रचारित व प्रकाशित।

वेबसाइट : www.sameti.org ई.मेल : sametijharkhand@rediffmail.com

© सर्वाधिकार सुरक्षित